इस परियोजना में आप सभी का
स्वागत

- तृतीय भाषा- हिंदी

दसवीं कक्षा

प्रस्तुति:-
गोविंद राज शेट्टी हेच.वी
सरकारी हाईस्कूल,
दोड्डहल्ली- 572141
पावगड़ तहसिल
तुमकूर जिला
9480310454

हिंदी कविता

मातृभूमि

भगवती चरण वर्मा

- जन्म : 30-08-1903
- ज्न्मस्थान : शफीपुर उन्नाव जिला
- पिता :देवी चरण श्रीवास्तव
- रचनाएँ: चित्रलेखा,भूले बिसरे चित्र, खिलौने,पतन,टेढ़े-मेढ़े रास्ते, मेरी कविताएँ, वसीयत आदि।
- देहांत : 05-10-1981
- इन्हे केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

विचार और नवजीवन पत्रिका के संपादक भी थे।

श्री भगवती चरण वर्मा की कृतियाँ

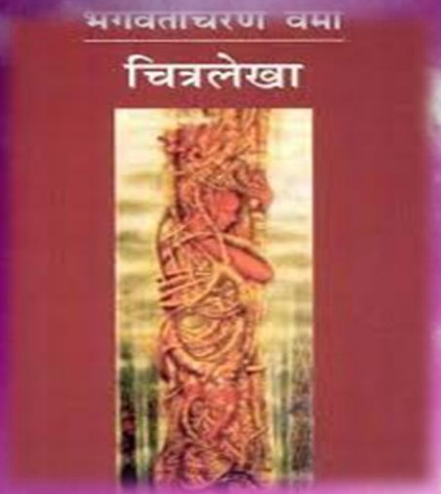

अपने खिलौने,
पतन
तीन वर्ष
वसीयत
युवराज चूंडा

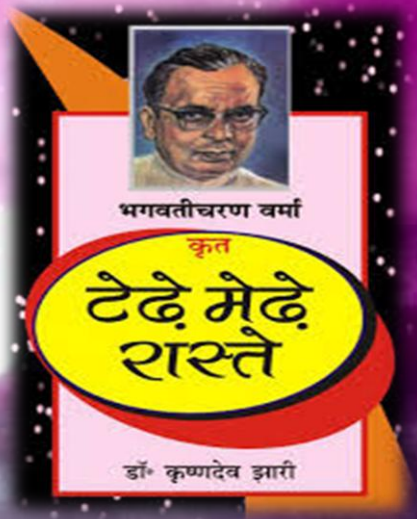

कविता का आशय

इस कविता में देशप्रेम की झलक मिलती है। कवि मातृभूमि को प्रणाम करते हुए,उसकी महिमा इस प्रकार गाते हैं कि यहाँ पर अपार वन संपदा तथा खनिज संपत्ति है, फल-फूल से भरपूर पेड-पौधे हैं । कवि भारत के महान विभूतियों का भी उल्लेख करते हैं । उनका कहना है कि हमें यहाँ पर रहने केलिए घर और हर आवश्यक सभी चीचों को तू ने ही प्रदान किया है। इस भारत को अब बदल दो हम सब तेरे साथ हैं, यहाँ के हर ग्राम-नगर में जय-हिंद का नारा गूँज उठ रहा है।

-: मातृभूमि :-

मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम !

अमरों की जननी,तुमको शत-शत बार प्रणाम

मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम !

तेरे उर में शायित गांधी,बुद्ध और राम,

मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम !

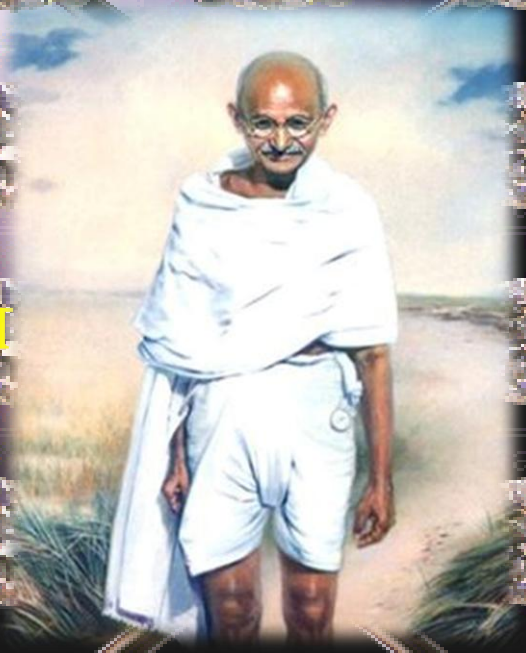

मातृभूमि

हरे भरे खेत सुहाने
फल-फूलों से युक्त वन-उपवन
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक धन।
हस्त तू बाँट रही है
सुख संपत्ति, धन-धाम.
मातृ-भूमि शत-शत बार प्रणाम ।

मातृभूमि

- एक हाथ में न्याय पताका
- ज्ञान दीप दूसरे हाथ में
- जग का रूप बदल दे, हे माँ
- कोटि-कोटि हम आज साथ में।
- गूँज उठे जय हिंद नाद से,
- सकल नगर और ग्राम,
- मातृ-भूमि, शत-शत बार प्रणाम।

युग्म शब्द

हरे - भरे
फल - फूल
वन - उपवन
धन - धाम
सुख - संपत्ति
लेना - देना
जीव - जंतु
धर्म - कर्मो
देवी - देवता
नहाना - धोना
रंग - बिरंगे
सीधा - सादा

युग्मशब्द: जिन शब्दों का प्रयोग जोडे के रूप मे किया जाता है, उन्हे युग्म शब्द कहते हैं। इनमें मिलते-जुलते, विलोम, निरर्थक, समानार्थी शब्दों का प्रयोग होता है।

मातृभूमि

द्विरुक्ति शब्द या पुनरुक्त शब्द :-

द्विरुक्ति का अर्थ है – दो बार प्रयुक्त होना। इन शब्दों के प्रयोग से अर्थ प्रकाशन में कई तरह से सुविधा होती है। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण सभी तरह के शब्दों की द्विरुक्ति होती हैं।

द्विरुक्ति शब्द या पुनरुक्त शब्द :-

- संज्ञा के रूप में :- भाई-भाई, घडी- घडी , घर-घर, गली-गली
- सर्वनाम के रूप में :- अपना-अपना, तू-तू, मैं-मैं, कौन-कौन
- विशेषण के रूप में :- थोडा-थोडा, एक-एक, नन्ही-नन्ही, बडे-बडे
- क्रिया के रूप में :- हँसते-हँसते, चलते-चलते,गाते-गाते, बैठे-बैठे
- क्रिया विशेषण के रूप में :- धीरे-धीरे, बार-बार, दूर-दूर हाय-हाय

पर्यायवाची शब्द

वन = कानन = जंगल = विपिन

धाम = घर = सदन = निलय = आलय = गृह = निकेतन = गेह

फूल = पुष्प = कुसुम = सुमन = मंजरी = प्रसून

अन्य लिंग रूप

माता - पिता

माँ - बाप

स्त्री - पुरुष

औरत - आदमी

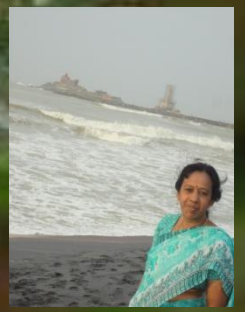

नर - नारी

महिला - मर्द

बालक – बालिका

लड़का – लड़की

गौतम बुद्ध

जीवन मिलना भाग्य की बात है.
मृत्यु होना समय की बात है.
पर मृत्यु के बाद भी लोगों के
दिलों में जीवित रहना
ये "कर्मों" की बात है.

भारत
भारत
दीपावली
शुभाशयगळु

एक देशभक्ति गीत

धन्यावाद के साथ

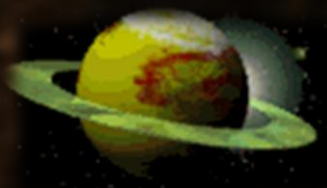

G

R

S

गोविंदराजशेट्टी.हेच.वि

जि.हेच.एस.दोड्डहल्ली

94803 10454

मेरा प्यारा भारत

वन्दे मातरम